सीम्स में तकनीकी उत्कृष्टता

- स्ट्रोस एचडी लेब्रोस्कोपी और मूत्रविज्ञान साधन (यंत्र)
- ऑपरेशन थिएटर में एलईडी लाइट्स
- रक्त का कम से कम व्यय हो और उतकों को कम से कम नुकसान पहुंचे वैसी सटीक उन्नत लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए विशेष चौथी पीढ़ी का हकारात्मक और उत्तक सीने की प्रणाली
- सभागार में ऑपरेशन का सीधा प्रसारण के लिए ऑपरेशन थियेटर में विशेष कैमेरा
- आवश्यकता के अनुसार अवकाश की उपलब्धता
- पेट की इमरजैंसी जैसे कि अचानक पेट में असह्य दर्द, पेट में रक्तस्त्राव या कोई चोट लगना आदि के इलाज के लिए तत्काल अनुभवी सर्जनो की उपस्थिति

- उच्च जोखिमवाले और पडे ऑपरेशनो के लिए अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल ऑफिसर, और इन्फ्रास्ट्रक्चर और उच्च तकनीकवाले आईसीयु की उपलब्धता
- अच्छे सर्जिकल (ऑपरेशन के लिए विशेष) आईसीयु सुविधाओं की भरोसेमंद उपलब्धता

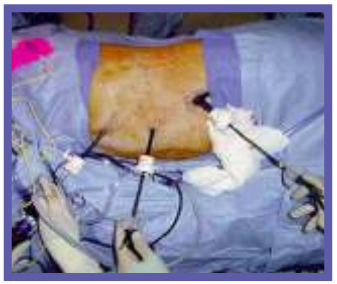

इमरजन्सी में अस्पताल जल्दी पहुँचने के लिए एम्ब्युलन्स के नंबर

+91-98244 50000
+91-97234 50000

डॉ. रुपेश शाह

एमएस, डीएनबी (युरोलॉजी), युरो-ओन्कोलॉजी में फैलोशिप
कन्सलटन्ट युरोलॉजीस्ट और युरो-ओन्कोलॉजिस्ट
मोबाईल : +91-90998 38777
ईमेल : rupesh.shah@cims.org

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**
फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : **+91-79-2772 1008**
मोबाईल : **+91-98250 66661** ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00
सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : **+91-98244 50000, 97234 50000**

सीम्स युरोलॉजी

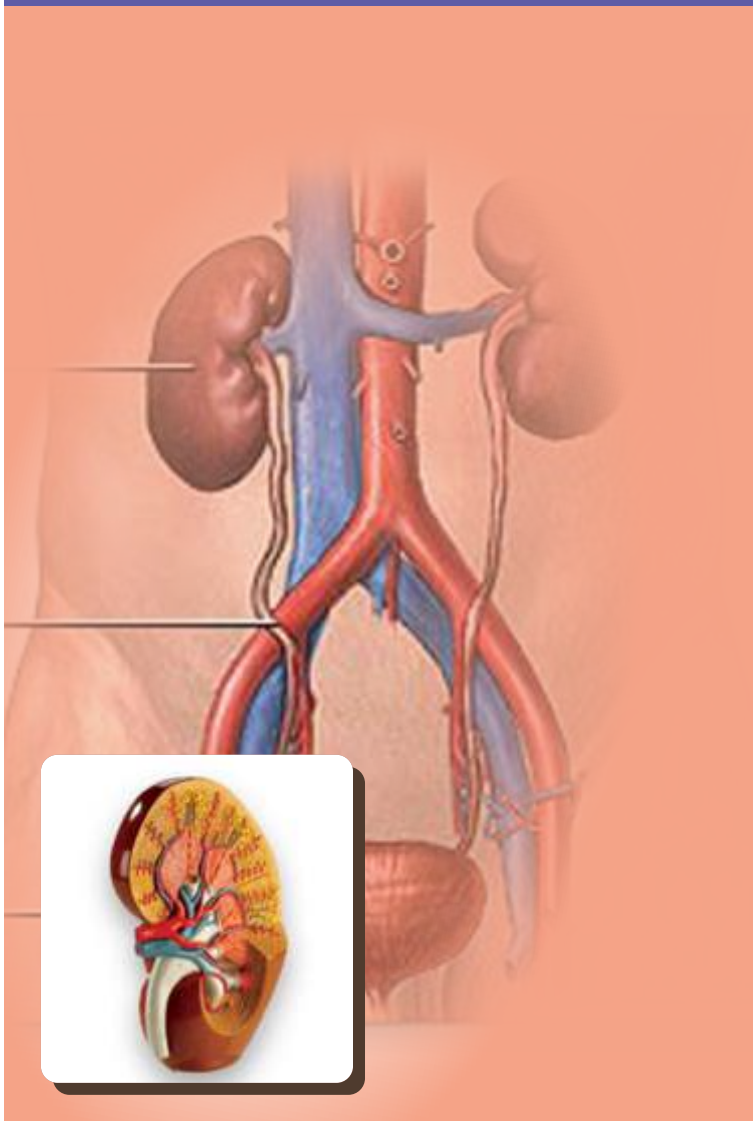

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

मूत्रविज्ञान वह मेडिकल शाखा है जो पुरुषों और महिलाओं के मूत्र पथ से संबंधित रोगों के निदान और इलाज से संबंधित है और साथ ही साथ इस शाखा में पुरुषो की प्रजनन प्रणाली का अध्ययन भी होता है ।

इसमें शामिल है दोनों लिंगो के गुर्दे, अधिवृक्ख ग्रंथियां, मूत्रनलियां, मूत्राशय और मूत्रमार्ग संबंधित रोग और प्रोस्टेट के साथ-साथ पुरुष यौन अंगो के रोग भी ।

इस चिकित्सा शाखा के तहत, मूत्र पथ में संक्रमण, मूत्र पथ में पत्थर की समस्याओं, प्रोस्टेट से संबंधित समस्याओं, मूत्र पथ का कैंसर, अनियंत्रित पेशाब, स्तंभन दोष, और पुरुष वांझपन का इलाज होता है ।

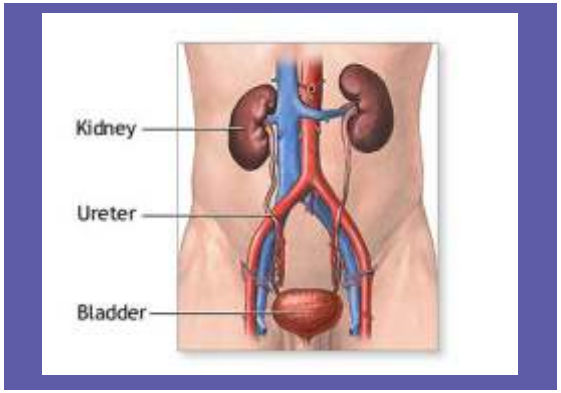

सीम्स अस्पताल में मूत्रविज्ञान

सीम्स के पास सभी मूत्ररोग संबंधी प्रक्रियाओं के लिए एक समर्पित उपचार कार्यक्रम है और वह सारी कुशलता और सुविधाएं है जिससे, जब भी संभव हो, लैप्रोस्कोपिक (कीहोल) सर्जरी की जा सके ।

सीम्स के युरोलोजिस्ट (मूत्रविज्ञान चिकित्सक) मूत्ररोग संबंधी प्रक्रियाओं के लिए मिनिमली इन्वेसिव (न्यूनतम आक्रामक) सर्जरी तकनीक का उपयोग करते हैं जिससे मरीज़ो को कई प्रकार के फायदे होते हैं जैसे कि अस्पताल में बहुत थोडे समय के लिए दाखिल होना, ऑपरेशन के बाद बहुत कम असुविधा और लोही का व्यय होना, स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आना और जल्द ही काम और नियमित गतिविधिओं पर फिर से लौटना । इनमें शामिल हैं गुर्दे संबंधित रोगों के इलाज के लिए मिनिमली इन्वेसिव सर्जरी और मूत्र पथ के उपरी हिस्से में होने वाले रोगों के निदान और इलाज के लिए एन्डोस्कोपिक प्रक्रियाएं । सीम्स में युरोलोजिस्ट, अत्यधिक ख़तरे वाले हृदय रोगों के रोगियों में भी मूत्र पथ में पत्थर की समस्याओं के लिए सर्जरी और प्रोस्टेट की सर्जरी करने के लिए समर्पित है ।

हमारे अस्पताल के सर्जन्स, स्पेश्यालिस्ट, नर्सिस और अन्य सहायक स्टाफ रोगीयों की बहुत ही उच्च स्तर की देखभाल करने के लिए बाध्य हैं और उनके उंचे कार्य कौशल की वजह से मूत्ररोग संबंधी समस्याओं और रोगों का बहुत ही अच्छा इलाज संभव है ।

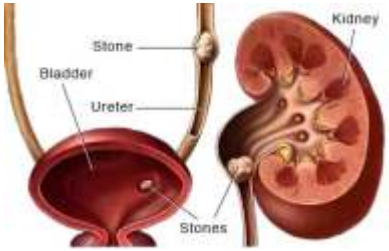

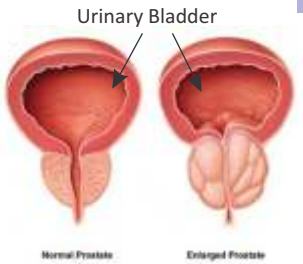

सीम्स में युरोलॉजी (मूत्र विज्ञान) सेवाएं

ब्लैडर (मूत्राशय)

- मूत्राशय का कैंसर
- मूत्र असंयम (पेशाब पर नियंत्रण खोना)
- मध्यवर्ती सिस्टिटिस और श्रोणि (पेल्विक क्षेत्र) में दर्द (मूत्राशय में सूजन के कारण श्रोणि में असह्य दर्द)
- न्यूरोजेनिक मूत्राशय (न्यूरोलॉजिकल सिस्टम को नुकसान पहुँचने के कारण होने वाली मूत्राशय संबंधी समस्याएं)
- ब्लैडर स्टोन (मूत्राशय में पथरी)

किडनी (गुर्दा) और एड्रेनल (अधिवृक्क)

- पथरी
- पीयुजे बाधा (गुर्दे का निचला हिस्सा और मूत्रनली जहां जुडतें है, वहाँ किसी प्रकार की बाधा होना)
- इन्फेक्शन (संक्रमण)
- गुर्दे का केंसर
- एड्रेनल ग्लैंड (अधिवृक्क ग्रंथि)

प्रोस्टेट (पौरुष ग्रंथि)

- बिनाइल प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया (बीपीएच) (प्रोस्टेट ग्लैंड का इज़ाफा जो कि कैंसरमुक्त होता है ।
- प्रोस्टेट ग्रंथि का कैंसर
- प्रोस्टेटाइटिस (प्रोस्टेट ग्रंथि में सूजन)

महिला यूरोलॉजी (मूत्रविज्ञान)

- मूत्रमार्ग और योनि के भाग के कामकाज और दिखावट की बहाली
- मूत्राशय में सूजन के कारण श्रोणि में असह्य दर्द और पेल्विक क्षेत्र में दर्द
- मूत्राशय की मांसपेशियों का अचानक, अनैच्छिक संकुचन
- मूत्र असंयम (पेशाब पर नियंत्रण खोना)
- मूत्र पथ इन्फेक्शन (मूत्र पथ में संक्रमण)

बाल चिकित्सा युरोलॉजी (मूत्र विज्ञान)

- बेड-वेटटिंग (नींद में बिस्तर में ही पेशाब कर देना)
- हाइड्रोसिल/हर्निया (एक या दोनों अंडकोष के आजु-बाजु दर्द रहित पानी जैसे द्रव भर जाता है जिस वजह से अंडकोश की थैली या उसन्धि क्षेत्र में सूजन आ जाती है)
- हाइपोस्पाडियास (मूत्रमार्ग का जन्म दोष जिसमें पेशाब के लिए छेद उसके सामान्य स्थान यानि के लिंग के सिर पर नहीं बल्कि लिंग के किसी अन्य भाग पर होता है ।
- पीयूजे बाधा और भाटा जैसे किडनी रोग (गुर्दे का निचला हिस्सा और मूत्रनळी जहां जुडते हैं, वहाँ किसी प्रकार की बाधा होना और पेशाब का मूत्राशय से गुर्दे तक उल्टा बहना)
- अंडिसेंडेड टेस्टिकल्स (एक ऐसी स्थिति जिसमें बालक के वृषण अपनी उचित स्थिति यानि कि लिंग के नीचे बनी हुई चमडी कि थैली में अपने आप नहीं जाते)

पुरुष युरोलॉजी (मूत्रविज्ञान)

- हाइड्रोसिल/हर्निया (एक या दोनों अंडकोष के आजु-बाजु दर्द रहित पानी जैसे द्रव भर जाता है जिस वजह से अंडकोश की थैली या उसन्धि क्षेत्र में सूजन आ जाती है)
- हाइपोस्पाडियास (मूत्रमार्ग का जन्म दोष जिसमें पेशाब के लिए छेद उसके सामान्य स्थान यानि के लिंग के सिर पर नहीं बल्कि लिंग के किसी अन्य भाग पर होता है ।
- मूत्र असंयम (पेशाब पर नियंत्रण खोना)
- इन्फेक्शन (संक्रमण)
- पिनाइल कैंसर (लिंग का कैंसर)
- पिनाइल कर्वेचर (इरेक्शन के दौरान लिंग में एक असामान्य मोड़)
- टेस्टीक्युलर कैंसर (वृषण का कैंसर)
- जब एक वृषण घूम जाता है तो अंडकोष की थैली को रक्त पहुंचानेवाला शुक्राणु कोर्ड भी मुड़ जाता है जिस वजह से वह अंडकोषों को पर्याप्त रक्त नहीं पहुंचता)
- अंडिसेंडेड टेस्टिकल्स (एक ऐसी स्थिति जिसमें बालक के वृषण अपनी उचित स्थिति यानि कि लिंग के नीचे बनी हुई चमडी कि थैली में अपने आप नहीं जाते)
- यूरेथ्रल स्ट्रीकचर्स (मूत्रमार्ग में चोट, सर्जरी, संक्रमण या गैर-संक्रामक प्रकार कि सूजन आ जाने से उसका संकुचित हो जाना)

पुरुष प्रजनन

- इंफर्टिलिटी (बांझपन)
- वेरिकोसिल (अंडकोष के अंदर की बडी नस फूल जाना)
- वेजेक्टोमी और पुरुष नसबंधी रिवर्सल (पुरुष नसबंदी और उसका उत्क्रमण)

यौन रोग

- इंपोटन्सी (नपुसंकता)
- प्रिमेच्योर इजेक्युलेशन (समय से पहले स्खलन या शीघ्रपतन)
- पेरोनी रोग (एक प्रकार का स्तंभन दोष)